नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

प्रहार : आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक रणनीति

भारत सरकार द्वारा जारी की गई पहली व्यापक और औपचारिक आतंकवाद-विरोधी नीति 'प्रहार' केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि बदलते सुरक्षा परिवेश के प्रति भारत की स्पष्ट और दृढ़ घोषणा है. गृह मंत्रालय द्वारा जारी यह नीति इस बात का संकेत देती है कि आतंकवाद अब पारंपरिक सीमाओं तक सीमित नहीं रहा है. उसका स्वरूप बदला है, माध्यम बदले हैं और लक्ष्य भी अधिक जटिल हुए हैं. ऐसे में भारत की प्रतिक्रिया भी उतनी ही व्यापक और बहुआयामी होनी चाहिए थी. 'प्रहार' इसी सोच का परिणाम है.

इस आठ पन्नों के दस्तावेज की बुनियाद 'जीरो टॉलरेंस' के सिद्धांत पर रखी गई है. यह स्पष्ट संदेश है कि आतंकवाद के प्रति किसी प्रकार की नरमी या अस्पष्टता अब स्वीकार्य नहीं होगी. नीति के सात स्तंभ,प्रीवेंशन, रिस्पांसेस, एग्रीगेटिंग इंटरनल कैपेसिटीज, ह्यूमन राइट्स, अटेनुएटिंग एनेबलिंग कंडीशंस, अलाइनिंग इंटरनेशनल एफर्ट्स और रिकवरी एंड रेजिलिएंस (प्रहार का फुल फॉर्म), सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं. यह केवल हमले के बाद की प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि हमले को पहले ही रोकने, संस्थागत समन्वय बढ़ाने और समाज को फिर से खड़ा करने की रणनीति भी शामिल करती है.

सबसे महत्वपूर्ण और दूरगामी निर्णय यह है कि साइबर हमलों को भी आतंकवादी कृत्य की श्रेणी में शामिल किया गया है. मौजूदा दौर में जब पावर ग्रिड, रेलवे नेटवर्क, बैंकिंग सिस्टम और परमाणु प्रतिष्ठान डिजिटल तकनीक पर निर्भर हैं, तब एक बड़ा साइबर अटैक किसी बम धमाके से कम विनाशकारी नहीं हो सकता. क्रिमिनल हैकर्स या शत्रु राष्ट्रों द्वारा प्रायोजित साइबर हमले यदि देश की अर्थव्यवस्था या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हैं, तो उन्हें आतंकवाद की संज्ञा देना समय की मांग थी. यह कदम भारत की सुरक्षा नीति को 21वीं सदी के खतरों के अनुरूप बनाता है. ड्रोन और रोबोटिक्स के माध्यम से हथियार तथा नशीले पदार्थों की तस्करी, विशेषकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में, एक गंभीर चुनौती बन चुकी है. 'प्रहार' इस खतरे को स्वीकार करता है और तकनीकी निगरानी तथा समन्वित कार्रवाई पर बल देता है. इसी प्रकार डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म के जरिए होने वाली आतंकी फंडिंग पर नियंत्रण की योजना इस नीति को आधुनिक बनाती है.

इस नीति में कानूनी प्रक्रिया में सुधार का प्रस्ताव भी उल्लेखनीय है. दरअसल, एफआईआर से लेकर अंतिम सजा तक हर चरण में कानूनी विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित करने का सुझाव इस बात का प्रमाण है कि सरकार केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि दोषसिद्धि दर बढ़ाने पर भी जोर दे रही है. मल्टी-एजेंसी सेंटर को मजबूत कर रीयल-टाइम इंटेलिजेंस साझा करने की व्यवस्था संघीय ढांचे में बेहतर तालमेल का संकेत देती है.साथ ही, 'प्रहार' यह स्पष्ट करता है कि आतंकवाद को किसी धर्म, जाति या राष्ट्रीयता से नहीं जोड़ा जाएगा. यह संतुलन आवश्यक है, क्योंकि कठोरता के साथ संवैधानिक मूल्यों और मानवाधिकारों की रक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है. सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन ही किसी लोकतंत्र की असली परीक्षा है. दरअसल,नीति बनाना पहला कदम है,असली चुनौती इसके प्रभावी क्रियान्वयन में होगी.

यदि केंद्र और राज्य एजेंसियां समन्वय, तकनीकी क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ इसे लागू करती हैं, तो 'प्रहार' भारत की आंतरिक सुरक्षा संरचना को नई मजबूती दे सकता है. बदलते आतंकवाद के दौर में यह नीति एक निर्णायक प्रहार साबित हो सकती है.

विमान यात्रियों को चूहों और कुत्तों से खतरा

अब एयर पैसेंजरों को कुत्तों-चूहों से भी जूझना पड़ रहा है. हालत इतनी खराब है कि खुद मानवाधिकार आयोग को संज्ञान लेना पड़ रहा है. उसकी टिप्पणी देखिए- इजराइली पर्यटक पर श्वान का हमला अशोभनीय है तथा पर्यटकों का स्वागत कुत्तों के हमलों से हो यह ठीक नहीं है. अब इसके बाद और कौन सी टिप्पणी तथा हादसा देखने के लिए शेष रह गया है? जयपुर के सांगानेर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 15 फरवरी को दिल्ली से आई महिला पर्यटक को एयरपोर्ट से बाहर आते समय अराइवल एरिया में एक आवारा कुत्ते ने काट लिया. बाद में उसे उपचार के दौरान टांके लगाए गए, सितंबर 2025 में इंदौर में भी ऐसी ही घटना घटित हुई. यहां के एयरपोर्ट पर भोपाल निवासी अरुण मोदी को उस वक्त चूहे ने उनकी पैंट में घुसकर काट लिया था, जब वह एयरपोर्ट के ग्राउंड फ्लोर पर डिपार्चर हाल में अपनी पत्नी के साथ इंतजार कर रहे थे. अरुण मोदी को टिटनेस का टीका लगाने के लिए भारी जद्दोजहद करनी पड़ी.

कुत्तों से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट सीधा कह चुका है कि उन्हें सार्वजनिक स्थानों से हटाया जाए और उनकी नसबंदी की जाए. इस आदेश का कितना पालन हो रहा है, यह भी जयपुर में देखा जा सकता है. जब एयरपोर्ट पर कुत्ता विदेशी महिला को काट रहा था, तब यहां के दो पशु चिकित्सक कुत्ता नसबंदी में घपलेबाजी के लिए 15 लाख रुपये की मांग कर रहे थे. भारत में एयरपोर्ट और एयरलाइंस अब यात्रियों के लिए सिरदर्द से ऊपर माइग्रेन बनती जा रही हैं. एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञ मानते हैं कि कुत्ते, चूहे, कॉकरोच, चिड़िया, बिल्ली, गिद्ध, सांप जैसे जीव-जंतु हवाई जहाज यात्रा के लिए बहुत बड़े खतरे हैं.

अगर कुत्ता किसी रनवे में हवाई जहाज से टकरा जाए तो विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना से इनकार नहीं कर सकते. टेक ऑफ या लैंडिंग भी रोकनी पड़ सकती है. अगर जरा सी चूक हो गई तो सैंकड़ों यात्रियों की जान जाने का भी खतरा है. यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान है. अगर कभी किसी दूसरे देश के राष्ट्राध्यक्ष के दौरे के समय या फिर किसी अन्य वीवीआईपी की यात्रा के दौरान किसी कुत्ते के काटने या उनके विमान में चूहे आदि के घुस जाने की घटना होती है, तो क्या होगा? जब एयरपोर्ट पर आवारा जानवर आना आम हो तो क्या गारंटी है कि वह वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान नहीं आएगा? यात्रियों का झगड़ा करना, सहयात्री पर पेशाब कर देना, महिलाओं के साथ छेड़खानी, शराब के नशे में क्रू-मेंबर से बदतमीजी, पायलट के केबिन में घुसने का प्रयास, दरवाजा खोलने की कोशिश जैसे मामले तो आम हादसों में आते हैं. पर जब मानवाधिकार आयोग को एयरपोर्ट के जिम्मेदार कर्मचारियों को फटकारना पड़े तो समझ में आता है कि मामला कितना गंभीर और लापरवाही भरा रहा होगा.

जयपुर और इंदौर दोनों ही शहर दुनिया में अपनी पहचान रखते हैं. जयपुर जहां पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र है, वहीं इंदौर भारत का सबसे साफ शहर है. यहां पर अगर पर्यटकों का कुत्तों के काटने, चूहों के कपड़ों में घुस जाने से स्वागत होगा, तो वह अपने देश या शहर में जाकर भारत को किस तरह से प्रेजेंट करेंगे?

देश की हवाई यात्रा व्यवस्था इस समय कर्मचारियों की कमी से जूझ रही है, क्रू मेंबर्स तथा पायलट काम के बोझ से मानसिक तनाव में हैं, ड्यूटी टाइम को लेकर रोज झगड़े होते हैं, एयरकर्मी गिरती सेहत के कारण चिड़चिड़े हो रहे हैं, वेतन काम के आधार पर आधा है, जॉब सिक्योरिटी में झोल है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था बस अड्डों जैसी हो जाए.

मनोज वार्ष्णेय

मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया

पूरे देश में हवाई अड्डों का जाल बिछ रहा है, भारत का सबसे बड़ा जेवर का हवाई अड्डा भी जल्दी ही आरंभ होगा. ऐसे में यात्रियों के महंगी यात्रा करने के बाद भी अगर एयरपोर्ट आवारा जानवरों से यात्रियों को महफूज नहीं रख सकते, तो एयर पैसेंजर एयरपोर्ट पर कैसे पढ़ पाएंगे 'मुस्कुराइए कि आप एयरपोर्ट पर हैं'?

अपना फायदा देख पार्टी बदलते नेता

यह कहना आसान है कि कांग्रेस से नेताओं का मोहभंग होता जा रहा है. इसलिए वह लगातार पार्टी छोडकर बीजेपी में शामिल हो रहे हैं. वास्तविकता यह है कि नेता अपना राजनीतिक लाभ देखकर चोला बदलते हैं. उनके लिए सिध्दांत, आदर्श और पार्टी के लिए प्रतिबद्धता कोई मायने नहीं रखती. जब पार्टी सत्ता से दूर रहने के कारण कुछ देने की स्थिति में नहीं रहती तो नेता पाला बदलकर उस दल में शामिल हो जाते हैं जहां उन्हें कुछ मिलने की उम्मीद नजर आती है. इसे कोई अवसरवाद या मौका परस्ती कहे तो उन्हें फर्क नहीं पड़ता. यदि बीजेपी में शामिल होने से विधायक या मंत्री पद मिलने अथवा किसी बोर्ड या महामंडल में लिए जाने की संभावना नजर आए तो नेताओं को अपने फायदे के लिए कांग्रेस छोड़ने में देर नहीं लगती. अधिकांश लोग इसलिए राजनीति में आते हैं ताकि सत्ता का लाभ व कुछ ही वर्षों में काफी अधिक दौलत हासिल कर सकें. असम में विधानसभा सुनाव के पहले पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा बीजेपी में शामिल हो गए. 32 वर्ष तक कांग्रेस में सक्रिय रहने के बाद उन्हें अब समझ में आया कि वह सही पार्टी में नहीं हैं और उनकी मंजिल बीजेपी है. उन्होंने गत 16 फरवरी को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था. इस दौरान राहुल और प्रियंका गांधी ने उन्हें मनाने की कोशिश की और पार्टी छोड़ने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया लेकिन बात नहीं बनी. असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में बीजेपी का प्रभाव काफी बढ़ गया है. सरमा भी कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे. तब उनका आरोप था कि राहुल गांधी ने उनकी बात नहीं सुनी और मुलाकात के दौरान अपने पालतू कुत्ते 'पिडी' को बिस्किट खिलाते रहे. ताली दोनों हाथ से बजती है.

कुछ नेताओं ने इस वजह से भी कांग्रेस छोड़ी क्योंकि वहां उनकी राय को महत्व नहीं दिया जाता था. महाराष्ट्र में भी पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण बीजेपी में शामिल हुए क्योंकि उन्हें आदर्श घोटाले की फाइल खुलने का डर था.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

दिल्ली डायरी

युवा कांग्रेस के शर्टलेस विरोध पर इंडिया गठबंधन में अनबन

प्रवेश कुमार मिश्र

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए शॉर्टलेस यानी अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन का जहां एक तरफ सत्ताधारी दल द्वारा निंदा की जा रही है वहीं इंडिया गठबंधन में शामिल प्रमुख दलों के नेताओं द्वारा भी इस विरोध प्रदर्शन को गैर वाजिब बताया जा रहा है. हालांकि कांग्रेस इसे सरकार की नीतियों से निराश व हताश युवाओं का विरोध बताकर इसका बचाव कर रही है. लेकिन जिस तरह से सपा प्रमुख अखिलेश यादव तथा टीएमसी सांसद बाबुल सुप्रियो ने इस प्रदर्शन को गैर वाजिब करार दिया है उससे साफ है कि इंडिया गठबंधन में इस विषय को लेकर न सिर्फ असंतोष है बल्कि राजग विरोधी कोई भी दल इसे उचित ठहराने को तैयार नहीं है.

दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि युवा कांग्रेस द्वारा किए गए प्रदर्शन को अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने वाला निर्णय बताकर पार्टी के ज्यादातर वरिष्ठ नेताओं ने नेतृत्व के सामने अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा है कि इस तरह के अंतराष्ट्रीय स्तर के समिट में ऐसा प्रदर्शन पार्टी के लिए आत्मघाती साबित हो सकता है. इसके बावजूद राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर इस विरोध का परोक्ष समर्थन करते हुए कहा कि इस देश में अहिंसा और विरोध लोकतंत्र की बुनियाद है. इसके बाद पार्टी नेताओं ने चुप्पी साध ली है.

उत्तर प्रदेश की चुनावी तैयारी में संघ का प्रवेश

2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी में वैसे तो सत्ताधारी भाजपा के अलावा सपा, कांग्रेस व बसपा समेत तमाम राजनीतिक दलों के रणनीतिकार अपनी ताकत झोंके हुए हैं लेकिन इन दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व संघ प्रमुख मोहन भागवत की मुलाकात सुर्खियों में है. दिल्ली में चर्चा है कि यूजीसी के नियम को लेकर उभरे असंतोष से भाजपाई रणनीतिकार बेचैन हैं इसलिए संभावित डैमेज कंट्रोल के लिए संघ ने मोर्चा संभाला है. जिस तरह से संघ अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों में कार्यक्रम आयोजित करते हुए अपने वरिष्ठ स्वयंसेवकों के सहारे स्थानीय राजनीतिक हालातों पर नजर रखे हुए हैं उससे साफ है कि संघ किसी भी परिस्थिति में सत्ता विरोधी लहर को रोकने के प्रयास में है.

प्रियंका के असम दौरे पर भाजपाई रणनीतिकारों की नजर

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वैसे तो असम विधानसभा चुनाव में उतारे जाने वाले पार्टी उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए बतौर छानबीन प्रमुख के नाते गई थीं लेकिन जिस तरह से उन्होंने धार्मिक स्थलों का दौरा कर असमी जनमानस के साथ अपने को जोड़ने का प्रयास किया उससे भाजपा के स्थानीय संगठन के साथ-साथ केन्द्रीय रणनीतिकारों में भी बेचैनी हुई है. चर्चा है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा व भाजपा के एक बड़े ग्रुप के बीच जबरदस्त अनबन चल रहा है. ऐसे में कांग्रेसी रणनीतिकार भाजपाई खेमे में चल रहे शीतयुद्ध का फायदा प्रियंका गांधी की छवि से उठाने के प्रयास में लगे हैं. इसलिए भाजपाई रणनीतिकार असम में उपज रहे आंतरिक असंतोष के साथ-साथ कांग्रेसी तैयारी पर नजर लगाए हुए हैं.

बंगाल में 'बाहरी' नैरेटिव से बाहर निकलने में जुटी भाजपा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पूर्व की गलतियों से सबक लेते हुए भाजपाई रणनीतिकार दिल्ली व पश्चिम बंगाल संगठन के बीच न सिर्फ समन्वय स्थापित करने में जुटे हैं बल्कि पार्टी ने खुद को 'बाहरी' साबित होने से बचाने के लिए अपने प्रचार में बंगाली सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों को शामिल कर जय बांग्ला की टीएमसी की नैरेटिव को चुनौती देने की रणनीति बनाई है. इतना ही नहीं मार्च 2026 से राज्य भर में 9 परिवर्तन यात्राएं निकाली जा रही हैं, जो 5,000 किमी से अधिक का सफर तय करेंगी और 294 विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचेंगी. चर्चा है कि भाजपा जल्द ही अपने प्रचार अभियान के आक्रामक और आकर्षक स्वरूप को सार्वजनिक करेगी.

निशानेबाज

कांग्रेस के नंगेपन से मोदी हैरान इसे मानते देश का अपमान

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, प्रधानमंत्री मोदी इस बात से बहुत खफा हैं कि ग्लोबल एआई समिट के दौरान युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपनी शर्ट उतारकर प्रदर्शन किया और नारे लगाए. पीएम ने कहा कि विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस ने अपनी गंदी और नंगी राजनीति की. उन्होंने अपने गैरजिम्मेदार और स्वच्छंद नेता के इशारे पर ऐसा किया. विपक्षी दल ने यह भी नहीं समझा कि यह बीजेपी का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय इवेंट था.'

हमने कहा, 'कहावत है- नंगे से खुदा डरे लेकिन मोदी किसी नंगे से डरते नहीं हैं. कोई कितना भी नंगा नाच करे, मोदी ने 2047 तक भारत को विश्व की महाशक्ति बनाने का संकल्प ले रखा है. जब उनसे उनके 75 वर्ष का हो जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी मेरे पास 25 वर्ष और बाकी हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यह तो सीधे-सीधे विपक्ष को चुनौती है कि मोदी और 25 साल सत्ता में रहना चाहते हैं. ऐसी सोच तो शी जिनपिंग और पुतिन की भी है. सत्ता की

कुर्सी में फेविकॉल लगा रहता है जिससे नेता चिपक जाता है.' हमने कहा, 'प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी तो लगातार 17 वर्ष अपने पद पर रहे थे जबकि मोदी को सिर्फ 12 वर्ष हुए हैं. मोदी ने गांधी-नेहरू की कांग्रेस को देश पर बोझ बताया जिसने सारे आदर्शों को ध्वस्त करके रख दिया है. कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हरकत से देश शर्मसार हुआ है. कांग्रेस के इस पाप में टीएमसी, डीएमके, नेशनल कांफ्रेंस और बसपा शामिल नहीं हुए.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जहां तक नंगेपन की बात है, तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल भी इससे परेशान हुए थे. जब महात्मा गांधी घुटनों तक धोती पहने ब्रिटिश सम्राट से मिलने गए थे तो चर्चिल ने उन्हें 'नंगा फकीर' कहा था. दिगंबर जैन मुनि तो कोई भी वस्त्र नहीं पहनते. इंसान जन्म के समय नंगा ही रहता है. इस दुनिया में वह कपड़े पहनने लगता है. शर्ट उतारने की बात छोड़िए, आज की राजनीति और फिल्मों में नंगापन बढ़ गया है. अभिनेत्रियां न्यूनतम वस्त्र पहनकर देश का कपड़ा बचाती हैं. कोई बेशर्मी से नंगा होता है तो कोई खुशी से ! पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरभ गांगुली ने मैच में जीत की खुशी में अपनी टी शर्ट उतारकर लहराई थी. सलमान खान शर्ट उतारकर कसरती बॉडी दिखाते हैं. कहावत है- अपने हमाम में सभी नंगे हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12181

- डॉ. सागर खादीवाला

1. खरोचना, खोदकर चित्र बनाना 2. जिसमें हवा आने-जाने के लिए खिड़कियां हो 3. उड़ान (उर्दू) 4. किस समय, कभी नहीं 5. बहस, विवाद, मुकदमा, सिद्धांत 6. पिशाच के समान क्रूर मनुष्य 10. नौ बूटियों वाला ताश का पत्ता 12. एक रेशमी कपड़ा, फूल जैसी कोमल देह वाला (वाली) 13. किसी वस्तु या काम की देखरेख रखते उसे चालू रखना (मेंटेन) 14. उथल-पुथल करने वाला प्रयत्न, डोलना 18. जिसमें पूरे के अतिरिक्त चौथाई और जुड़ा हो 20. चरबी, मेद 22. जर्मनी का राष्ट्रीय साम्यवादी दल जिसका नेता हिटलर

बाएं से दाएं

1. वे सूक्ष्म जलकण जो वातावरण में ठंड से जम जाते हैं, कुहासा 3. घी या तेल में तली हुई भोज्य वस्तु 7. कण, छोटा टुकड़ा, सूजी 8. द्वार-द्वार, गली-गली (उर्दू) 9. नासमझ 11. रास्ता, मार्ग (उर्दू) 15. सुर्ख, एक रत्न 16. फांस, बांस का टुकड़ा 17. गुजर, निर्वाह 19. रामचंद्रजी के दो पुत्रों में से एक 21. चिकित्सालय, औषधालय (उर्दू) 23. नष्ट करने वाला, भगाने वाला 24. मंत्री, शतरंज का एक मोहरा (उर्दू)

ऊपर से नीचे

Solution 12180

प्र	का	श	मा	न	■	उ	म्र
ह	■	मि	त	■	बे	जा	■
स	त	त	■	ब	त	ला	ना
न	र	■	जु	ला	हा	■	म
■	ल	ह	र	■	शा	र	दा
उ	■	■	ना	म	■	ह	र
मं	थ	रा	■	■	दा	ब	■
ग	■	जी	न	त	■	र	बी

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में धार्मिक कार्यों में रूचि बढेंगी, यात्रा में बैचारिक वाद विवाद होगा, वर्ष के मध्य में मित्रों तथा प्रियजनों भाईयों का सहयोग, अचल संपत्ति के कार्यों में सफ्लता मिलेगी, दाम्पत्य जीवन में मधुरता रहेगी, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, कर्मचारियों का सहयोग बना रहेगा, वर्ष के अन्त में पारिवारिक समस्याओं में व्यस्तता रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भाईयों और मित्रों का कार्यो में सहयोग बना रहेगा, अचल संपत्ति से लाभ होगा, दाम्पत्य जीवन में मधुरता आयेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यात्रा में सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट रह सकता है, सिंह राशि के व्यक्तियों को सफ्लता मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अच्छा स्थान पद प्राप्त होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में परिश्रम बढेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुखी, शरीर से कोमल तथा भावुकता होगा. अपनी इच्छानुसार कार्य करेगा. दूसरों को अपनी ओर शीघ्र ही आकर्षित करेगा. प्रवास आदि का शौकीन होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

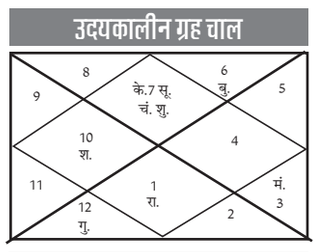

पंचांग

रा.मि. 06 संवत् 2082 फाल्गुन शुक्ल नवमीं बुधवासरे रात 2/24, रोहिणी नक्षत्रे दिन 1/39, विष्कुम्भ योगे रात 1/36, बालव करणे सू.उ. 6/18, सू.अ. 5/42, चन्द्रचार वृषभ रात 12/50 से मिथुन, शु.रा. 2, 4, 5, 8, 9, 12 अ.रा. 3, 6, 7, 10, 11, 1 शुभांक- 4, 6, 0.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन शुक्ल नवमीं को रोहिणी नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड, अलसी, सरसों, अरंडी, बिनौला, मूँगफ्ली, घी, तेल, में तेजी, का रूख रहेगा. रूई, कपास, से बनी वस्तुओं में तेजी होगी. भाग्यांक 7579 है.

मेष- आकस्मिक ढेर सारे तनाव मन पर हावी रहेंगे. निराशावादी विवादों को त्यागें. धार्मिक कार्यों में व्यय होगा. आर्थिक कार्यों में मनोनुकूल सफ्लता प्राप्त होगी.

वृषभ- आशावादी बनें. नाजुक संबंधों में भावनात्मक कष्टों को भूलवर्तमान को बेहतर बनायें. नौकरी एवं राजकीय कार्यो में सफ्लता मिलेगी. मन में संतोष बना रहेगा.

मिथुन- मन धनागम की नई युक्तियों की ओर केन्द्रित रहेगा, कार्य क्षेत्र में किसी सहकर्मी से मतभेद होगा. किसी समस्या का समाधान होगा.

कर्क- जीवनसाथी का स्नेहात्मक सहयोग प्राप्त होगा. आलस्य का त्याग करें. कार्यों में सावधानी रखें. मन में तनाव रह सकता है. आर्थिक चिन्ता रह सकती है.

सिंह- मन पर नियंत्रण रखें. अपने कर्त्तव्यों के प्रति केन्द्रित हों. अत्याधिक विश्वास करना हानिप्रद रहेगा. किसी व्यक्ति से विवाद हो सकता है. पुरूषार्थ बना रहेगा.

कन्या- किसी नये संबंध के प्रति मन केन्द्रित होगा. थोड़ा संयमी और धैर्यवान बनें. कुटुम्बियों के मामले में सावधानी रखें. विवाद की स्थिति न आने दें.

तुला- किसी अचल संपत्ति के क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र होगा सामाजिक व्यस्तता रहेगी. साहस एवं पराक्रम में वृद्धि होगी. यश कीर्ति मिलेगी. कामकाज पूरा होगा.

वृश्चिक- महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा. अभिभावकों से मतभेद हो सकते है. दूसरों के कारण आप मध्यस्थ बन सकते है.

धनु- रोजगार के क्षेत्र में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठायेंगे. पारिवारिक कार्य बनेंगे. परिवार में मतभेदों में वृद्धि होगी. दूसरों के कारण परेशानी हो सकती है.

मकर- संबंधों में आपका मन भावनात्मक आपूर्ति पर केन्द्रित होगा. किसी कार्य में परिश्रम अधिक करना होगा. समय को देखकर कार्य करें. मित्रता उपयोगी रहेगी.

कुम्भ- निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. प्रशानिक व्यस्तता बढेगी. मन प्रसन्न रहेगा. व्यवसाय को बढ़ाने का प्रयास करें. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर.

मीन- प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा. नई सफ्लता के अवसर मिलेंगे. खरीदी बिक्री के कार्यों में सर्तकता बांछनीय है. संतान सुख का योग बनेगा.

SUDOKU 7313

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7312

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7